

कापी स्त्री. (अं.) 1. नकल प्रतिरूप 2. लिखने की सादी पुस्तिका।

कापीराइट पुं. (अं.) कानून के अनुसार वह अधिकार जो ग्रंथकार या प्रकाशक को प्राप्त होता है।

कापुरुष पुं. (तत्.) कायर, डरपोक उदा. वर न सका कापुरुष जिसे तू, उसे व्यर्थ ही हर लाया। (साकेत)।

काफ पुं. (अर.) 1. अरबी और फारसी वर्णमाला का एक अक्षर 2. अबजद में 100 की सूचक संख्या 3. कोहकाफ जो काला सागर और कास्पियन सागर के मध्य में है, काकेशस पहाड़ 4. एक कल्पित पहाड़ जिसके बारे में धारणा है कि वह क्षितिज तक विस्तृत है मुहा. काफ से काफ तक- एक छोर से दूसरे छोर तक, सारी पृथ्वी में 1. बातचीत और तर्क 2. सजावट 3. मूर्ख, बेवकूफ।

काफिया पुं. (अर.) तुकबंदी, काफिया, मिलाना मुहा. काफिया तंग करना- बहुत परेशान करना, नाको दम करना; काफिया तंग रहना या होना- किसी काम से तंग रहना या होना; काफिया मिलाना- तुक मिलाना, अपना साथी बनाना।

काफिर वि. (अर.) 1. मुसलमानों के अनुसार उनसे भिन्न धर्म को माननेवाला, मूर्तिपूजक 2. ईश्वर को न माननेवाला 3. निष्ठुर 4. दुष्ट, बुरा 5. काफिर देश का रहनेवाला 6. नास्तिक।

काफिला पुं. (अर.) यात्रियों का झुंड जो तीर्थ, व्यापार आदि के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करता है।

काफिला सालार पुं. (अर.) यात्रियों का मुखिया, सार्थपति।

काफी वि. (अर.) किसी काम के लिए जितना आवश्यक हो उतना, पर्याप्त, पूरा।

काफी स्त्री. (अर.) एक प्रकार का पेय पदार्थ कहवा पुं. (तद्.) संपूर्ण जाति का एक राग जिसमें कोमल गांधार लगता है और जो रात्रि के दूसरे पहर में गाया जाता है।

काफूर पुं. (फा.) कपूर मुहा. काफूर होना- उड़ जाना, अदृश्य हो जाना।

काबा पुं. (अर.) 1. अरब के मक्का शहर का एक स्थान जहाँ मुसलमान लोग हज करने जाते हैं, मुसलमानों का पवित्रस्थल 2. चौकोर इमारत 3. पाँसा।

काबाड़ी पुं. (देश.) 1. गुदड़ी का सामान जुटाने और बेचनेवाला 2. लकड़हारा, लकड़ी काटनेवाला।

काबिज वि. (अर.) 1. जिसका किसी वस्तु पर अधिकार हो, अधिकारी 2. ऐसी वस्तु जिसमें कब्जा हो।

काबिल वि. (अर.) 1. योग्य, लायक 2. विद्वान, पंडित।

काबिलियत स्त्री. (अर.) 1. योग्यता, लियाकत 2. पांडित्य, विद्वत्ता।

काबिलेतारीफ वि. (अर.) प्रशंसनीय, श्लाघ्य, प्रशंसा के योग्य।

काबिलेदाद वि. (अर.) प्रशंसनीय, दाद देने योग्य।

काबिस पुं. (अर.) 1. सोंठ, मिट्टी, बबूल की पत्ती, बाँस की पत्ती, आम की छाल और रेह के घिसने से बना एक रंग जिससे मिट्टी के कच्चे वर्तन रंगकर पकाए जाते हैं 2. एक प्रकार की लाल मिट्टी, पानी डालने से यह लसदार हो जाती है।

काबी स्त्री. (फा.) कुश्ती का एक पेंच।

काबुक पुं. (फा.) 1. कबूतरों का दरवा 2. कपड़े की गद्दी जिस पर रोटी रखकर तंदूर में लगाते हैं।

काबुल पुं. (फा.) 1. एक नदी जो अफगानिस्तान से आकर अटक के पास सिंधु नदी में गिरती है 2. अफगानिस्तान की राजधानी 3. अफगानिस्तान का पुराना नाम मुहा. काबुल में भी गधे होते हैं- अच्छी जगह में भी बुरे लोग होते हैं।

काबुली चना पुं. (फा, तद्.) एक प्रकार का चना जिसके दाने बड़े होते हैं तथा रंग साफ होता है।

काबुली मटर स्त्री. (फा., तद्.) एक प्रकार की मटर जिसके दाने बड़े होते हैं।